

वासतेथाभोगयावडगुयेथसूकवारसुकपउ
 सतमीस्खेनबहुसंवतदोरीजीनरीनकर
 लीस्तीतंधनमापात

अथ श्रुति

398

I

ACF ARCHIVES

गोविन्दं स्तुतुं ॥ ॐ अकारमसूय सर्वधर्माणां मायुनस्य
नत्वा हा मणिमहाजिह्वितः ॥ ॐ मावलिगुणगुणसर्वगान्ति
कृतः ॥ अयमनं यमिह स्वाहा ॥ **स्नानवाच** ॥ ॐ ॐ व्याय स्वाहा
॥ ॐ रुमाय स्वाहा ॥ ॐ वनूषाय स्वाहा ॥ ॐ कृष्याय स्वाहा ॥
ॐ अग्नेय स्वाहा ॥ ॐ नेमस्य स्वाहा ॥ ॐ वायुय स्वाहा ॥ ॐ ॐ
गनाय स्वाहा ॥ ॐ उद्भवकृष्य स्वाहा ॥ ॐ सूर्याय गहाधिः

पतम स्वाहा ॥ ॐ चन्द्राय नरुजाधियगय स्वाहा ॥ ॐ अर्द्धय
धियय स्वाहा ॥ ॐ असुरय स्वाहा ॥ ॐ क्षाणय स्वाहा ॥ ॐ
सर्वदिगिदिगिनाकयानय स्वाहा ॥ **पूजामाख्या** ॥ ॐ ॐ
व्यायामहागनाकयानामहधिकाः दगदिशक्ति
मायिना साकयाननमामिह ॥ **समयवाच** ॥ नैव यद्यटमः
सूर्यकं वायुशक्त समन्विता ॥ वनूषगंधनसाय नददामि

यतिगुरुतां॥ हूंकासंयममयडाः हूंकासंसिद्धि लांजनंः हूं
कानंरुयगुन्यः हूंकासाय हूंकासं नुनमास्तुत॥ **महविद्य**
उं दियोयं सर्वदिक्कातंः दिव्य काला नमयहंः (धारयामि
उगंसातं सर्वज्ञानं उगीधय॥ **रुधमा रुमायन**॥ उं वः
रुसत्यस्यमनूयायः वरुसत्य ननाय दिष्टद्वामरुव
स्वास्त्यायामरुवः अतकम्मस्वास्त्यायामरुवः सर्वसिद्धिः

मययकः सर्वकर्मसुसमचिह्नं ग्रंथं कुरुः उं हृहृहृहृहृहृ
गयनः मामकिमस्त्वयि हयमामः समयसत्य आ॥ **मस्तु**
मवि गुरुनयाय॥ उं ग्रीतचन्द्रन ध्यानं नकनः कुरुमाः
कुरुः वधिंसिद्धिदत्ताः प्रथानगः यस्मैयगमनाय सिद्धिं
दत्ताः उं आ हूंः हूं आ उंः उं आ हूं गुरुगुरु धं वरुमस्तुतं
यथानंगमनं विगुरुन॥ **स्वादिधं** मस्तुतगयाडाः विधं कुरु

य॥ **ॐ** **॥** **गुण** **॥** **धनसिद्धमदमलुत्रसुतया** ॥ **आयः**
याय॥ **आय** **स्नान** **दाय** ॥ **रुगवन** **ग्री** **मठग्री** **३** **चक्र** **संस्वर** **वर्ज**
वा **ना** **हि** **द** **अ** **द** **वि** **रु** **दा** **न** **क** **स्य** **ः** **आ** **त्मा** **न** **नि** **र्या** **न** **या** **मि** **हूँ** ॥ **ऊँ**
म्व **कु** **मा** **रु** **ति** **ना** **र्थ** **व** **र्ज** **यु** **ष्यं** **यु** **नि** **रु** **खा** **हा** ॥ **उँ** **आ** **थ** **स** **त्वरु** **ग**
वन **वि** **द्या** **मा** **रु** **क** **न** **उ** **मि** **ह्मा** **म** **हं** **ना** **र्थ** **ः** **म** **लु** **नं** **क** **नू** **ता** **त्मे** **क** **ः**
सि **ध्या** **ना** **म** **न** **क** **या** **य** **ः** **यू** **ष्या** **कं** **यू** **रु** **ना** **थ** **य** **ः** **न** **न** **भ** **रु** **ग** **न** **स्य**

अ **थ** **म** **स** **रु** **सं** **क्रि** **य** **उ** **व** **न** **यु** **दा** ॥ **स** **र्व** **वृ** **द्ध** **नि** **र्या** **न** **या** **म** **हं** ॥
स्व **हा** **व** **स** **हा** ॥ **या** **ना** **र्घ** ॥ **उँ** **रु** **ग** **वं** **ग्री** **म** **ठ** **ग्री** **३** **चक्र** **संस्वर** **व**
र्ज **वा** **ना** **हि** **द** **अ** **द** **वि** **रु** **दा** **न** **क** **स्य** **या** **था** **च** **मे** **ना** **अ** **र्घ** **यु** **नि** **रु** **खा**
हा ॥ **स्नान** **दा** **य** ॥ **उँ** **ज** **कि** **नि** **र्या** **खा** **हा** ॥ **उँ** **आ** **मा** **य** **खा** **हा** ॥ **उँ**
खं **लु** **ग्रा** **हा** **य** **खा** **हा** ॥ **उँ** **नृ** **पि** **नि** **र्या** **खा** **हा** ॥ **उँ** **व** **र्ज** **क** **मा** **रु** **का** **य**
खा **हा** ॥ **उँ** **स** **म** **य** **क** **मा** **ठ** **का** **य** **खा** **हा** ॥ **उँ** **वि** **ग** **म** **य** **क** **मा** **ठ** **का** **य**

[illegible]

नन्धूगाविन्दुक्रमाः राखमाः रुगधमाः मिथियाः नसाकमाः
दिगाः यियषधमाः यत्रमाः वृद्धज्ञानसागमाः लाया लायवि
वात्रताग्रीवक्रयामादिकायाः पुवः ग्रीसंम्वमादयः ॥ **रुक्रमान**
नहस्यमलुनः दनकः ॥ रुक्रमानं स्वांक्राकि क्रनकाडाकयः ॥
ॐ नमावृद्धायः ॥ ॐ नमाधर्मायः ॥ ॐ नमासंघायः ॥ महकम
ॐ आर्द्रग्रीमकः वक्रसत्यः सकयुन्यननकमगायनम४सः

[illegible]

हस्तदलुनयः कुत्रसयिकयूष्यविज्ञानज्ञाननयः निदिन
रुडाकयंगीयकमकिनमामिहं॥ ॐ नमः श्रीगामम्यः
नामः श्रीगामम्यनंऊगंताथः गुनवादेहसयासर्वसत्वसुख
कत्वश्रीगामम्यनंतमस्तु॥ ॐ नमः श्रीविद्येश्वरा
यः कस्तंम्यायनमंदडाः कार्यसिद्धिविष्णयकः ग्वरा
नयसंयन्तः दहिमसुखसंयदागक्षनागक्षयकिचेयः ग

कमलकिशोरायतिः सता वाक्का सिद्धिश्च यूरुनियामहदिका
सहस्रविधिरुद्रं यडां ग्रीगम यमिनमा रुद्रक ॥ ॐ नमः श्रीव
रुद्रिभमहाका माय ॥ रुद्रुवर्द्धसमानुद्धं वृद्धसासननरु
नः करुणिकया न धनार्थं ग्रीवर्द्धिभमहाका सन नमा रु
द्रक ॥ ॐ नमः श्रीव संधमाय ॥ सदा निगुंदा निदुन डामान
भिः साधनयाय पुष्टा रुद्रि सिद्धि वरयदा ॥ ॐ नमः श्रीः

यं च गवमायायः नं द्या रुद्रा रुद्रा स्वम्याः कयि माय ग्रीपय
णमा जायन मरुद्रक ॥ ॐ श्री रुद्रि मदा दयी सर्व संयुधि
दाकं सर्वकामयदा दयी ग्री रुद्रि नम रुद्रक ॥ ॐ नमः श्री
यक सम्यजायः सर्व रुद्रान संयुद्र रुद्रगद रुद्रसा दक चिं
नाम सिद्धि रुद्र ग्री संयुद्र नम रुद्रक ॥ ॐ नमः श्री वरुद्रा
माहि सर्वयाय यमाय निमा न विधु सनि दयी वृद्ध संरुन

दायनी॥ उं नमः श्रीगान्धर्वनिदयोः नितिनितिसंचनितानां अक्रा
त्यसंघसंघिनिरुगत्याहृत्यामहं वाक्॥ अक्रयां हामामकिः
यत्रमं गधनी॥ उं नमः श्रीगान्धर्वनिदयोः नितिनितिसंचनितानां अक्रा
वेस्वान्ननामहंवदः सधसंघुनिदायकं॥ वादानयनिकः
रुमानस्यः अमनामधस्य॥ आयुः अमागः अगधमयादिगु
हृत्तसंघाफिकाननार्थ॥ हृगवंगीमठगी ३ संयुक्तः कनसा

भानः सधगीकागंम्वनहानगधनीः श्रीगान्धर्वनिदयोः नितिनितिसंचनितानां अक्रा
वसंधासाः गीयंच (गममाकाः) गीतक्रिः अक्रनः वक्रवात्रादिव
लुतिः वेगधाननः सकनदवकारुदात्रकस्यः पृथ्यासाहनयूका
वनकर्मक्रियाकात्रनार्थः वक्रवायायः अहस्यमभुनंसमा
दिक॥ **अक्रमानयाकवागुः** काकिस्वानकायधमभुनविगुर्जन
याक॥ वाधनसमाधियन॥ ॥ वागुर्नमलुसर्वदागु॥

या ॐ किं न भवत्यस्मात् ॥ दानं यो किं न भवत्यः ॥ अमुं कृतं न
 भवत्यः ॥ आयुः आभासः भवत्यः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥ किं का
 न नार्थः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥
 गः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥
 चकः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥
 खः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः सर्वव्याधिः ॥ अदि सूर्यः सूर्यः सूर्यः ॥

कः गङ्गाद्यादिः यत्र च कुर्यात् दृष्टं अष्टमहात्म्यमात्रेण
थः ॥ इदं नमो निगुप्तसंयुक्तिः यत्र प्रमादगुप्ता अतिसौम्यः
कामनार्थः संगसायिगताः कामनिः उदकासिद्धादभाः सां
क्तिकामनार्थः आदिन्यसामः अंगनः वृद्धः वृद्धन्यमिः गुः
कः गतिगन्धनमादृक्कः न अगुहः गतिकामनार्थः ना
नावानिर्गन्धयानः नारुपाधिकामनार्थः सूयर्ध्वनध्व

न्यादिः यत्रियुर्ध्वनयाधिकामनार्थः धर्मार्थकाममाः
कुरुनयाधिकामनार्थः ॥ एतदंगीसकगी गी अमकदव
नारुहानकायः यस्यामाहनयूजाकम्मदियाकामनार्थः
॥ दय्युवाहसकन्यामिह ॥ यज्ञाहननमस्यामया
या ॥ क्रिकिज्ञानाहाक्याअशान्या ॥ अंनमः गीवर्जसः
त्यामा ॥ वन्द्यगीवर्जसत्वंः ह्यनवनयुम्ः सव्वृद्धह्यन

निर्मितं

नानात्रयं नरुतं किंमिन्नरुयद्वनं मन्त्रं सस्ति नः धम्मो धम्म
मन्त्रिना किं नुन स हनं मधु संवक्र धा उ स वानं ध क न यं स
ह न स ख म य द हि ना मा क ह उ उं गु न व द्धे उं गु न ध म्म
उं गु न स चं न र्थे व चः गु न व क्र ध न व वः गु न स चं न मा मि
हं ॥ **नख ग म ध न या य ॥** उं गु म्मा ह्मा गु रु रु म्म ह्म वं व का दः
क अ म्म रं रु व लु न ह्म स्वा हा ॥ **सिद्ध मं त्रिक ॥** उं व नू न मू कि ३

ह्य चं न म ॥ **स्वां त्रय ॥** उं व नू न मू कि ह्य यू ष्यं न म ॥ **कि म्म**
तन ॥ उं ना ग या ए म का नि ग्यं रु त ना का म हा व नः श्री ग म र्म
उ वि का रु श्री व नू ह्मा य न मा लु न ॥ **नख अख नि यि क या डा ना**
हां य स कू त्रिक ॥ **जा कि लं ख म धु न स हा य क ॥** उं रु था हि का कः
मा न न स ना यि ना मिः सु धं द य न वा मि नां स चं न था ग न अ रि ष
क म य श्री आ ह्म ॥ **ना ना क स हा य ॥** **हानं** न्व चा या यू का रु न थि यो

अगय॥ॐ गुरुं सं (ग) धन स्वाहा॥ॐ श्रीं अममं त्रिं अं ग स्वाहा॥
ॐ श्रीं दय स्वाहा॥ॐ सर्वं कथं गुरुं काय विभं धन स्वाहा॥ॐ या
नयनं नमं अर्थं यमिं रु स्वाहा॥ॐ नमो गुरुं गवमं पूषा कं दुना का
यनं कथं गनाया अमं हं गं सं मयं कं वं द्याय॥ गद्यं थं॥ॐ यूषा २ मः
हायूषाः सुयूषाः यूषाः रुवयूषा वकिनः स्वाहा॥ **स्वां रुडा व**
अवाहनं सथं निन॥ॐ आ ईं ३ ईं आ ॐ॥ त्रिकां सा धिस्तानाः॥

ॐ सर्वं पायनं यनं ईं॥ त्रिं वरुं आसनं स्वाहा॥ निनं स्वविं रुखं न
स्वाहा॥ **विधं** सिनं सकृद॥ **विधं** क्रसं यिया अः आसनं याय॥ **वि**
नम मयुनं सनिका अयुनं नित्या॥ॐ मनिधं निवर्तं निमं हायुनि
सं नः नं रु २ मा ईं रुट स्वाहा॥ **जा** **किलं** स्वमं मयुनं सहायका अ
गया॥ॐ पूनं का प्रसर्वं विद्यां का प्रवर्तुं मिवर्तुं नं रु सथः
सर्वं कथं गगनं अधि वं रुट स्वाहा॥ **ना** **हानं** मयुनं कयूयाः

अकया॥ उं दानं लमसयजं म्यनाथं सदिगंगा संवसमाकृतं ॥
क्रान्तिं द्रुपि यिदि कायनं त्यन विर्यो किरा रूपायनं ॥ ध्यानं
मल्लनं मकचिद्रु कन शं यद्वा स्रम खाकना ॥ ७ ॥ गोया मसिका
य उय रं क रु त्याम निम लु सं र व नुः कन क व र्धुः स र्वना ए
विमूकं स्रम म नू क वि ए यं ल व द्वा फिका मि ॥ धन क नः
क स म् ॥ धाः जाय मजा क व ॥ १ ॥ स्रग न व न ग ह सिं का य कं माः

निरुत्वा उं गुल ख २ स र्व क था ग अ धि मि षु उ दूं स्वा हा ॥ **सां न क**
या अ ला हा य य के ॥ उं व न्द्रा क वि म न स्वा हा ॥ **सा हा न या य** ॥ उं अ
व मं य मि रु स्वा हा ॥ **ध्यान** ॥ उं म न्द्रा धि ष्ठा न रू मि म धः स्रं का या
दिः स्र उ वि रु सं जा गं वा म् अ मि रु सा वं धि म जा य मि सुं का न म र म
न म लु नः उं न लो सि हा स न रू मि गं य द्वा स्र व क दि रु रु न क मू खं
गु क व र्धु व र्ज २ व र्धु ध नः वि वि ग र न नः रू वि कं मि न मि विः

वमधमिसं नीमः ॥ अक्रावाचकनं ॥ हगवतं ॥ युम्वकसत्य
हृदयकायपाद्याचमेना अर्घ्येति कृत्वा ॥ **क्राकि का** यूवा
वाय ॥ ॐ रुद्रं वा रुद्रं मधुनयूषां कास ॥ **स्वानवाय** ॥ ॐ ४ हस ॥ ध्व
मन्नयनमः ॥ ॐ श्रीम ॥ ध्वमन्नयनमः ॥ ॐ संसुमन्नयनमः ॥ ॐ
यंयुर्विदहायनमः ॥ ॐ मरुतयूषीयायनमः ॥ ॐ संयुयन्न ॥ गः
आवमियायनमः ॥ ॐ यं उरुनक्रमयनमः ॥ ॐ या उयेदियायन

मः ॥ ॐ सं उयेदियायनमः ॥ ॐ या उयेदीयायनमः ॥ ॐ या उयः
दियायनमः ॥ ॐ यः कगन्नल्लायनमः ॥ ॐ स्युम्वन्नल्लायन
मः ॥ ॐ मज्जन्नल्लायनमः ॥ ॐ वस्त्रिन्नल्लायनमः ॥ ॐ या ४ ख
मन्नल्लायनमः ॥ ॐ या यकन्नल्लायनमः ॥ ॐ नामनिन्नल्लायन
मः ॥ ॐ वासवनिधनायनमः ॥ ॐ अर्द्धचन्द्रायनमः ॥ ॐ आः
शुयामिनमः ॥ ॐ ग्रीवजसत्यगुम्वन्नमः ॥ ॥ ॐ वरुमं

ॐ स्वस्ति ॥ ॐ वज्रसिंधुना जाय स्वाहा ॥ ॐ वज्रमासस्य स्वाहा ॥ ॐ
वज्रपुष्पा स्वाहा ॥ ॐ वज्रमेव य स्वाहा ॥ ॐ वज्रधूप्य स्वाहा ॥ ॐ वज्र
दिप्य स्वाहा ॥ ॐ वज्रतां म्बूनाय स्वाहा ॥ **नाय होय** ॥ रुधर्माह
उपुतावाः रुधुनां तथागतस्त्वदन्तां चः शान्तिमाधय वं वादि
महाशिवन ॥ **काकि** स्त्वराय क ॥ ॐ वज्रमलमयं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं
ॐ मन्त्रिणः सफनलसमाकिर्हः ददनं न दायनः पुनर्याः

वृद्धः धर्मस्यः संधयगतयेव च आत्मानं निश्चान्तर्यामिणाय नमः
युष्मिन्मन्त्रमस्तु ॥ **किन्वज्रना** असाधका रुसया असाध ॥ ॐ न
मायकाय ॥ ॐ नैव न मोक्षमाय ॥ गान्तिनमा संधाय ॥ महान
म ॥ ॐ आः ॥ ॐ श्रीमन् वज्रसूत्रः सगुणं च न क मनायः सम्य
कज्ञानां संधमायनमः ॥ ॐ नमः नानमानमः ॥ रुक्का हं लान
मस्यामिशुनार्थयुसिभ ॥ यस्यायसा दकिवनः सुतिना मं नना

[illegible]

क. क. ना. ग. म. ख. य. न. अ. र्थ. सु. सि. द्ध. म. उ. त्या. द. या. मि. व. म. प्र. धि. सि. रु. ३
 नि. म. म. म. मि. म. ह. स. र्व. स. त्या. न. छ. स. म. सि. य. य. न. वा. धि. या. मि.
 कां. सु. का. रु. व. यं. रु. ग. ना. दि. ना. यं. द. ग. ना. स. व. यो. नां. य. म्भ. नां. याः
 य. म्भ. द. नां. रु. मा. य. द्वा. गं. य. सि. व्या. मि. आ. र्था. यं. ग. म्भ. या. य. धी. धः
 म्भ. ग. म. या. या. म. न. य. म्भ. न. रु. रु. गं. का. य. कं. या. यं. रु. रु. गं. वा. सि.
 कं. या. यं. रु. रु. गं. चि. रु. सं. या. यं. न. त्सर्वं. द. स. या. मि. द्दं. ॥ व. नि. म्भ.